संलग्नक।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी विद्यार्थियों को समझते हुए सुनने बोलने पढ़ने लिखने और परिवेशिय सजगता को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत/सामूहिक रूप से कार्य के करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि -
संगीत लोककलाओं, फ़िल्म, खेल आदि की भाषा पर पाठ पढ़ने या कार्यक्रम के दौरान ग़ौर करने/सुनने के बाद संबंधित गतिविधियाँ कक्षा में हों । विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए की वे आसपास के ध्वनियों और भाषा को ध्यान से सुनें और समझें
उन्हें इस बात के अवसर मिलें की वेरेडीयो, टेलिविज़न पर खेल फ़िल्म संगीत आदि से संबंधित कार्यक्रम देखें और उनकी भाषा लय आदि पर चर्चा करें
रेडीओ और टेलीविज़न पर राष्ट्रीय सामाजिक चर्चाओं को सुनने और सुनने तथा उस पर टिप्पणी करने के अवसर हों
अपने आस पास के लोगों की ज़रूरतों को जानने के लिए उसके साक्षात्कार और बातचीत के अवसर हों ऐसी गतिविधियाँ पाठ्यक्रम का हिस्सा हों
हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने लिखने (ब्रेल तथा अन्य संकेत भाषा में भी) और उन पर बातचीत की आज़ादी हो ।
अपने अनुभवों को स्वतंत्र ढंग से लिखने के अवसर हों।
अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हो।
अपनी भाषा गढ़ते हुए लिखने की स्वतंत्रता हो
सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ , अख़बार, पत्रिकाएँ , फ़िल्म और अन्य दृश्य श्रव्य (ऑडीओ-विडीयो) सामग्री को देखने सुनने पढ़ने और लिख-कर अभिव्यक्त करने सम्बन्धी गतिविधियाँ हों
कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों - जैसे – अभिनय, भूमिका निर्वाह (रोल-प्ले),कविता पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों तथा उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट (पटकथा) लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर हों।

अपने माहौल और समाज के बारे में स्कूल तथा विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में अपनी राय देने के अवसर हों
कक्षा में भाषा साहित्य की विविध छवियों/विधाओं के अंतर संबंधों को समझते हुए उनके परिवर्तनशील स्वरूप पर चर्चा हो जैसे आत्मकथा जीवन संस्मरण कविता कहानी निबंध आदि
भाषा साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक सौंदर्यात्मक पक्षों पर चर्चा विश्लेषण करने के अवसर हों
संवेदनशील मुद्दों पर आलोचनात्मक विचार विमर्श के अवसर हों जैसे जाति धर्म रीतिरिवाज जेंडर आदि।
कृषि लोककलाओं हस्तकलाओं लघु उद्योग को देखने और जानने के अवसर हों और उनसे संबंधित शब्दावली को जानने और उसके उपयोग के अवसर हों
कहानी कविता निबंध आदि विधाओं में व्याकरण के विविध प्रयोगों पर चर्चा के अवसर हों
विद्यार्थी को अपनी विभिन्न भाषाओं के व्याकरण से तुलना समानता देखने के अवसर हों
रचनात्मक लेखन, पत्र-लेखन, टिप्पणी, अनच्छेद— गद्य-पद्य के सभी रूपों में, निबंध, यात्रा वृतांत आदि लिखने के अवसर हों।
उपलब्ध सामग्री एवं भाषा में व्याकरण के प्रयोग की चर्चा एवं विश्लेषण के अवसर हों।
दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग के विविध प्रकार एवं परिवेशगत/अनुभव आधारित – रचनात्मक लेखन के अवसर उपलब्ध हों ।

संलग्नक ॥
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 1 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं । जैसे – मुस्कान आजकल चुप क्यों रहती है । मुस्कान को स्कूल में हम लाएँगें ।
अपने आस – पास और स्कूली साथियों की ज़रूरतों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।जैसे – भाषण या वादविवाद में इन पर चर्चा करते हैं।
आँखों से न देख सकने वाले साथी की ज़रूरत की पाठ्यसामग्री को उपलब्ध कराने के संबंध में पुस्तकालयाध्यक्ष से बोलकर और लिख कर निवेदन करते हैं।

न बोल सकने वाले साथी की बात को समझकर अपने शब्दों में बताते हैं ।
नई रचनायें पढ़कर उन पर साथियों से बातचीत करते हैं ।
रेडियो, टी वी या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य -दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित, प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं।
अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं । जैसे कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना।
कविता या कहानी की पुनर्चना कर पाते हैं । जैसे – किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं।
औपचारिक पत्र जैसे – प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आसपास की समस्याओं/मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं ।
रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति विशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं । जैसे – दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि ।
विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं ।
पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता,कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं।
भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य -संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं संरचना आदि ।
विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं।
विविध साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचना पर चर्चा करते हैं।
प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं ।
फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी समीक्षा लिखते हुए, दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं ।
परिवेशगत भाषा प्रयोगों पर सवाल करते हैं । जैसे रेलवे स्टेशन/एयरपोर्ट/बस स्टैंड, ट्रक, ऑटोरिक्शा पर लिखी कई भाषाओं में एक ही तरह की बातों पर ध्यान देंगे।

अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं । जैसे – क्या-क्यारी साइक्लिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ ।
हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक संदर्भों/भाषिक प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं।

संलग्नक III			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा-10 -हिंदी विषय सी. बी. एस. ई . द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ - 2	**विषय पूर्ण किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
2-मीरा के पद	श्रवण कौशल का विकास	मीरा के भावों के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए छात्रों को दास्य भाव की भक्ति से अवगत कराना । कविता का रसास्वादन करने की योग्यता का विकास । शांत रस की अनुभूति करने की योग्यता का विकास । प्रत्येक पंक्ति में मीरा की दास्य भाव की भक्ति दृष्टिगत होती है- स्याम म्हाने चाकर राखो जी । • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे।	भाषा साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं जैसे-विशिष्ट शब्द वाक्य शैली संरचना आदि । अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं । जैसे - मुस्कान आजकल चुप क्यों रहती है । मुस्कान को स्कूल में हम लाएँगें ।

		• पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• उचित लय -ताल, आरोह-अवरोह के साथ कविता पाठ करने की योग्यता का विकास । • स्वयं पढ़कर कविता के मुख्य भाव/अर्थ को समझने की योग्यता का विकास । जैसे-मीरा 'हरि' किनके लिए प्रयुक्त कर रही है? • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत	

		मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। ● कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। ● स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	● काव्य-सौन्दर्य तत्वों का बोध - 1 वर्णो ,शब्दों या पदों की आवृत्ति का ज्ञान 2 तुकांत पद,छंद की गति ,यति और मात्रा का ज्ञान । 3 स्वरों का आरोह-अवरोह कोमल तथा कठोर वर्ण , ओज प्रसाद माधुर्य शब्द-शक्ति का ज्ञान भाव सौन्दर्य तथा विचार सौन्दर्य की अनुभूति और कौशल का विकास । भाव सौंदर्य-इसमें ईश्वर के रक्षक और सर्वसमर्थ रूप का अत्यंत प्रभावशाली वर्णन हुआ है।	

		• लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र कविता के पदों के साथ आत्मीकरण स्थापित कर उनकी विस्तृत व्याख्या कर पाने में सक्षम होंगे	

		छोटे -छोटे प्रश्नो के माध्यम से कविता के केन्द्रीय भाव का ज्ञान कराना जैसे- मीरा किस भाव से अपने आराध्य को याद करती है? कविता विधा की शब्दावली और सरंचना से परिचित होने की योग्यता का विकास । मीरा के पदों को गाया भी जा सकता है । लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे।	

		अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	ब्रज भाषा तथा खड़ी बोली के शब्दों में सामजस्य स्थापित कर पाएंगे लयात्मक शब्दों का ज्ञान -भीर-चीर आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना ।	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	मीरा व सूरदास के पदों का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए छात्रों की तार्किक प्रतिभा का विकास । अर्थग्रहण संबन्धित लघु प्रश्न जैसे -मीरा का हृदय क्यों अधीर है? पदों का सस्वर वाचन । सगुण-निर्गुण भक्ति का अंतर स्पष्ट करना भाषा सौन्दर्य से संबन्धित प्रश्न ।	
	नैतिक मूल्य	भारतीय संस्कृति,संस्कारों का ज्ञान अध्यात्मिकता की भावना का विकास	

पाठ - 3	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
-3-दोहे कवि- ारीदास	श्रवण कौशल का विकास	पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड, बिहारी के अन्य दोहे सुनकर उनके शृंगार,भक्ति,नीति तथा लोक-व्यवहार को जान सकेंगे । कविता का रसास्वादन करने की योग्यता का विकास होगा। 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। ।	नई रचनाईं पढ़कर उन पर साथियों से बातचीत करते हैं। अपने आस - पास और स्कूली साथियों की ज़रूरतों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।जैसे - भाषण या वादविवाद में इन पर चर्चा करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	छात्र कविता का पदों के साथ आत्मीकरण स्थापित कर उनकी विस्तृत व्याख्या कर पाने में सक्षम होंगे ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से विदयार्थी कविता के भावों से जुड़ सकने में समर्थ होंगे।	

		स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• काव्य-सौन्दर्य तत्वों का बोध - 1 वर्णो ,शब्दों या पदों की आवृत्ति का ज्ञान 2 साहित्यिक भाषा का ज्ञान । 3 कवि बिहारी ने सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया है उसी प्रकार से सांकेतिक भाषा को शब्दों में पिरोने में समर्थ होंगे। बिहारी सतसई के दोहे सार गर्भित तथा नीति संबंधी हैं।	

		• लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित	

		कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	कविता के अंत में अलंकार संबन्धित शब्दों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे- पीत-पटु में अनुप्रास अलंकार की छटा मनोहारी है। आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना - सतसई,तपोवन	

	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	कविता के अंत में 'पठित काव्यान्श आधारित प्रश्नों' के माध्यम से छात्रों का पुनरावलोकन किया जाएगा - दीरघ दाघ निदाघ का क्या अर्थ है? अलंकार , रस संबन्धित प्रश्नों पर चर्चा जैसे - बिहारी के दोहों में किस रस की प्रधानता है ?	
	नैतिक मूल्य	• किसी बड़ी मुश्किल के आ जाने पर आपसी शत्रुता भूलकर उसका सामना एक साथ मिलकर करना चाहिए ।	

पाठ - 4	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
-4-मनुष्यता	श्रवण कौशल का विकास	• परोपकार तथा विश्वबंधुत्व की भावना को आत्मसात करने में सक्षम होंगे। ऐसे मनुष्यों को महान मानना जिनमें मनुष्यता के पूरे-पूरे लक्षण हों। • कविता का रसास्वादन करने की योग्यता का विकास । • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे।	आँखों से न देख सकने वाले साथी की बात को समझकर अपने शब्दों में बताते हैं।नई रचनाईं पढ़कर उन पर साथियों से बातचीत करते हैं । न बोल सकने वाले साथी की बात को समझकर अपने शब्दों में बताते हैं ।

		• सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।।	
	वाचन कौशल का विकास	• स्वयं कविता के मुख्य भाव/अर्थ को समझने की योग्यता का विकास । कविता के अंत में परोपकार का सही अर्थ क्या है, इससे अवगत होंगे। केवल अपने बारे में सोचकर जीवन यापन नहीं करना चाहिए। • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे।	

		• विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	अयोध्या सिंह उपाध्याय की कविता'कर्मवीर' तथा मैथिलीशरण गुप्त की कविता'मनुष्यता' का तुलनात्मक वर्णन करने में सक्षम होंगे। पठित पदों के माध्यम से दूसरों के हितचिंतन को सर्वोपरि मानने की भावना का विकास ।	

		• लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• कविता की शब्दावली और सरंचना से परिचित होने की योग्यता का विकास । • मनुष्यता विषय पर कक्षा में लेख लिखवाकर छात्रों के लेखन कौशल को जानना|	

		लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	कविता के अंत में नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । जैसे-सुमृत्यु ,अमर्त्य-अंक शब्दों का उचित ज्ञान ।	

	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: ● परिचर्चा (स्वार्थी - मानव या परोपकारी मानव)अर्थग्रहण संबन्धित लघु प्रश्न जैसे - ● सच्चा मनुष्य कौन है? ● सारे संसार में अखंड-भाव किस प्रकार भर सकते हैं ? ● भाषा सौन्दर्य से संबन्धित प्रश्न । ● सामासिक शब्दों का ज्ञान - त्रिलोकनाथ ● कविता के अंत में क्षुधार्थ, करस्थ,परार्थ , क्षितीश जैसे नवीन तथा संस्कृतनिष्ठ शब्दों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
	नैतिक मूल्यांकन	● भारतीय संस्कृति,संस्कारों का ज्ञान ● अध्यात्मिकता की भावना का विकास ● परोपकार की भावना का विकास ।	

पाठ - 17	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-7-तोप	धरोहर हमारी संस्कृति की परिचायक।	• कविता प्रतीकों के माध्यम से भूतकाल में की गई भूलों से परिचय करवाती है।	अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे-कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना। विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• कविता को पढ़कर छात्र मुख्य भाव को समझने में सक्षम होंगे कि कोई भी शक्ति (तोप) कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हो एक न एक दिन उसका अंत निश्चित है। • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• स्वयं पढ़कर कविता के मुख्य भाव/अर्थ को समझने की योग्यता का विकास । • कविता को पढ़ने के बाद उसका गद्य में रूपान्तरण करने में सक्षम होंगे।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• तोप कविता के माध्यम से समझेंगे की कोई भी शक्ति कितनी ही विनाशकारी क्यों न हो एक न एक दिन उसका नष्ट होना निश्चित है । • पठन पदों के माध्यम से हिंदी भाषा में शब्दों के प्रयोग की भिन्नता से परिचित होना। जैसे- धरोहर, धर धरोहर का अर्थ संचय के रूप में हुआ है तो धर का रखने के अर्थ में प्रयोग हुआ है? • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से	

		अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । ● भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । ● संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। ● एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे ● उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	● कविता की शब्दावली और सरंचना से परिचित होने की योग्यता का विकास । ● कविता से संबन्धित कठिन शब्दों को लिखने में समर्थ होंगे। विरासत , घुड़सवारी, सूरमाओं, धज्जे ● काव्यान्श आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने में सक्षम होंगे जिससे लेखन कौशल का विकास होगा । ● लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग	

		करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे ● अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । ● उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। ● लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। ● अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	● आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। मुहाना, विरासत ● नए शब्दों का दैनिक जीवन मे प्रयोग- जबर	
	विभेदित मूल्यांकन(Differentiated Assessment)	● कविता के अंत में प्राचीन एवं नवीन हथियारों में अंतर पर परिचर्चा करने में सक्षम होंगे। ● 'जबर, धज्जे इत्यादि शब्दों का प्रयोग तोप कविता की भाषा की किस विशेषता को बताता है ? इस	

		प्रकार के भाषा ज्ञान संबन्धित प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम होंगे।	
	नैतिक मूल्य	● भारतीय धरोहरों व इतिहास का ज्ञान	

पाठ - 8	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-8-कर चले हम फ़िदा	देश की रक्षा के लिए बलिदान।	● अमूल्य आज़ादी के प्रति साहसी भाव से परिचित होना।	कविता या कहानी की पुनः रचना कर पाते हैं। जैसे-किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं। रेडियो, टी वी या पत्र-पत्रिकाओं व अन्य श्रव्य - दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित, प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओं पर मौखिक एवं लिखित
	श्रवण कौशल का विकास	● कविता को गीत के रूप में सुनकर कर कविता की लय और ताल का आनन्द उठा सकेंगे। • * कविता में निहित भाव को अपने देश के परिवेश से जोड़ कर देख पाने में सक्षम होंगे । ● 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। ● सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे ।	

		• आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। • पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी . टी, स्मार्ट बोर्ड, प्रमुख शहीदों के चित्र, कर चले हम फ़िदा गाने की सी.डी.के माध्यम से गीत के भावों से अवगत होंगे।	टिप्पणी विश्लेषण करते हैं। पत्रिका पर प्रसारित/प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• 'आज़ाद देश कैसा होगा ' विषय पर दो क्रांतिकारियों के रूप में संवाद प्रस्तुत करेंगे। • उचित लय-ताल, सुर, यति-गति, और ओजस्विता पूर्ण आवाज में कविता का समूह में गायन। • कविता के भाव को अपने शब्दों में मुखरित करने में सक्षम होंगे। • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे।	

		• किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	देश की सीमा की रक्षा करने वाले सैनिकों की अभिलाषा को समझना कि देश की रक्षा के लिए प्राण तक दे देना वाज़िब है। पठित पदों के माध्यम से परिचित देशभक्ति का भाव जागृत होना। भाषा कौशल का विकास। लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे	

		उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे। • जैसे- कट गए सर, सर पर कफन बाँधना • देशभक्ति से संबन्धित कविता की पंक्तियों का निर्माण करने में सक्षम होंगे। • देश की रक्षा विषय पर कक्षा में लिखित लेख द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को जानना । लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे।	

		अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• कविता के अंत में आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । जश्न, काफ़िले • उर्दू शब्दों का हिन्दी अर्थ के साथ परिचय- मौसम, रुत	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • 'फिल्मों का समाज पर प्रभाव' विषय पर वाद-विवाद के माध्यम से छात्रो की कविता संबन्धित जानकारी का मूल्यांकन करना । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से- धरती की तुलना दुल्हन से क्यों की गई है? कविता में किस जश्न की बात की गई है?	
	नैतिक मूल्य	• देश व्यक्तिगत हित से बढ़कर है। इस प्रकार की भावना का विस्तार। • देशभक्ति की भावना जागृत करना।	

पाठ - 9	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-9-आत्मत्राण	विशिष्ट प्रार्थना गीत	अपनी सहायता स्वयं करने वालों को भगवान की कृपा प्राप्त होती है।	रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति विशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं । जैसे - दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि । पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता,कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• रवीद्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित 'आत्मत्राण' तथा 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' प्रार्थना गीत का ऑडियो सुनकर प्रार्थना के महत्त्व को जानेंगे। • कविता से एक विधा के रूप में परिचित होना और उसकी ख़ासियतें जानना- शब्दावली और संरचना से परिचित होना । • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• रवीद्रनाथ ठाकुर के गीत को स्वयं पढ़कर गीत के भावों से जुडने तथा नए-	

		नए शब्दो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। जैसे- आत्मत्राण, विपदाओं,वंचना । • कविता के भाव को अपने शब्दों में मुखरित करना। • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• ईश्वर से समस्या समाधान की याचना न करना बल्कि आत्मबल की माँग करना। • उच्चारण संबंधी त्रुटियों और शब्द उच्चारण की समस्या को दूर करना।	

		• दैनिक जीवन में होने वाली समस्याओं के निदान पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• जीवन में आने वाली समस्या का सामना किस प्रकार किया जा सकता है - विषय पर अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगे।	

		• काव्यान्श आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने में सक्षम होंगे जिससे लेखन कौशल का विकास होगा । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	

	शब्द कोश का विकास	• आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । त्राण, अनुदिन, क्षय	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • 'आत्मविश्वास' पर एक अनुच्छेद लिखेंगे • परिचर्चा (परिश्रम या किस्मत) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जीवन में आने वाली प्रत्येक चुनौती का सामना हिम्मत से करने की सीख । आत्मविश्वास बनाए रखने की सीख।	

पाठ - 10	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-10-बड़े भाई साहब	खेल और शिक्षा में समन्वय।	विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा की उपयोगिता समझते हुए प्राचीन व नवीन शिक्षा प्रणाली की तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना।	औपचारिक पत्र जैसे - प्रधानाचार्य संपादक को अपने आसपास की समस्याओं/मुद्दों
	श्रवण कौशल का विकास	• द्रश्य-श्रव्य सामग्री जैसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए महानगरो की और प्रस्थान करते	

		छात्रो की समस्याओं पर एक डाक्यूमेंट्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना। ● खेल और शिक्षा में समन्वय स्थापित करना जान सकेंगे। ● 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। ● सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । ● आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। ● पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं । विविध साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचना पर चर्चा करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	● शिक्षा केवल रटने से नहीं आती-विषय पर वाद-विवाद में हिस्सा लेंगे। ● मुहावरों का प्रयोग करते हुए पाठ वाचन करेंगे। ● स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे।	

		• विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे। • परीक्षा के दिनो में समय प्रबंधन पर विचार रखेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• छात्रों के वाचन में मुहावरेदार भाषा का विकास हो सकेगा । • समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। • शुद्ध उच्चारण क्षमता का विकास । • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें	

		प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । ● भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । ● संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। ● एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे ● उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	● छात्रावास में रहने वाले अपने मित्र को पत्र लिखकर उसकी पढ़ाई के विषय में जानेंगे। ● खेल के महत्व विषय पर कक्षा में लिखित लेख द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को जानना| ● लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर	

		एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । ● अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । ● उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। ● लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। ● अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	● पाठ के अंत में विद्यार्थी शब्दों मुहावरों और पदबन्धो का उचित प्रयोग करना सीख जाएँगे -तुमने अपना खून जलाकर कौन-सा तीर मार लिया। ● आठ –दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना| बुनियाद, पुख्ता, स्वच्छंदता ● उनका वाक्य मे प्रयोग करना ।	

	विभेदित मूल्यांकन(Differentiated Assessment)	• निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • पाठ के अंत में दिए गए 'मौखिक' प्रश्नों के आधार पर । • पाठ में किताबी ज्ञान तथा अनुभव में से किसे महत्त्वपूर्ण माना है ? विषय पर परिचर्चा ।	
	नैतिक मूल्य	• अपने से बड़े भाई-बहनों का सम्मान करने के नैतिक मूल्य का ज्ञान ।	

पाठ - 11	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-11-डायरी का एक पन्ना	डायरी विधा से परिचय।	• विद्यार्थियों द्वारा आज़ादी के महत्व को समझते हुए देशप्रेम की भावना जाग्रत करना।	विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं । फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी समीक्षा लिखते हुए, दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं ।

	श्रवण कौशल का विकास	• सभाओं व उत्सवों का प्रविवेचन तैयार करना सीख पाएंगे। • देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना । • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। • पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्टबोर्ड। • दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना ।	
	वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थी पाठ का वाचन कर उसके मूल भाव को अपने शब्दों में बताएँगे ।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी आज़ादी के लिए किए गए संघर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे ।	

		• भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• एक गंभीर महामारी के कारण आपके विद्यालय को चिकित्सालय में बदल दिया गया है। ' जनसाधारण तक जानकारी देने के लिए एक सूचना तैयार कीजिए। • छात्रों को स्वयं की दैनिक दिनचर्या (डायरी लेखन) विषय पर लिखवाकर उनके लेखन कौशल को जानना| • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर	

		एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे तथा अपरिचित शब्दों से वाक्य निर्माण कर सकेंगे। चौरंगी , मोनुमेंट	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना: चर्चा (परतंत्र एवं स्वतंत्र भारत मे अंतर)	

	Assessment)	लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विषय में जानना तथा देश भक्ति की प्रबल भावना को बढ़ाना।	

पाठ - 12	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-12-तँतारा ीरो कथा	लोककथा की मनोरंजक शैली	विद्यार्थियों द्वारा लोककथाओं की उपयोगिता समझते हुए उनके प्रदेश व अंडमान की लोककथाओं तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना।	परिवेशगत भाषा प्रयोगों पर सवाल करते हैं । जैसे रेलवे स्टेशन/एयरपोर्ट/बस स्टैंड, ट्रक, ऑटोरिक्शा पर लिखी कई भाषाओं में एक ही तरह की बातों पर ध्यान देंगे।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक -पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड, अंडमान निकोबार का चित्र या नक्शे के माध्यम से अंडमान -निकोबार के विषय में जान पाएंगे। दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना। • समाज की संकीर्ण रूढ़ियों को समय के अनुसार बदलना कितना आवश्यक है कक्षा में इस पर चर्चा के माध्यम से श्रवण कौशल का विकास होगा। • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे।	

		• सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के अंत मैं किसी सुनी हुई लोक-कथा का वाचन करेंगे। पुरानी परंपराओं पर छात्र अपनी अभिव्यक्ति कर सकेंगे। • देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे।	

		• स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• छात्रों को स्वयं की दैनिक दिनचर्या विषय पर लिखवाकर उनके लेखन कौशल को जानना। • त्रुटियों का निवारण ।	

		• कठिन शब्दों का अभ्यास जैसे-किंकर्तव्यविमूढ़, विह्वल ,याचक आदि। • किसी एक लघु कथा का निर्माण करेंगे। • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	

	शब्द कोश का विकास	• आठ –दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। लोककथा , पारंपरिक , अन्यमनस्कता, रोमांचित। • अर्थों को आत्मसात करना । • मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे। • सुध-बुध खोना, बाट जोहना, खुशी का ठिकाना न रहना।	
	विभेदित मूल्यांकन(Differentiated Assessment)	• पाठ में आए पदबन्धो पर चर्चा की जाएगी जिससे उनकी व्याकरणिक क्षमता का ज्ञान होगा। • तताँरा को मानो कुछ होश आया । (रेखांकित पदबंध का नाम) लिखने में सक्षम होंगे। • जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य में बदलिए) • निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (पुरानी परंपराओं का महत्व) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	ईश्वर की देन- प्रेम का सम्मान करने की सीख प्रेम जोड़ता है, घृणा दूरी बढ़ाती है।	

पाठ - 15	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-15-अब कहाँ रों के दुख में दुखी वाले	प्रकृति संरक्षण आज की आवश्यकता	विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण के महत्व को समझते हुए व्यक्तिगत व देश की स्वच्छता की भावना जाग्रत करना।	प्राकृतिक एवं सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। अपने आस - पास और सचूलि साथीयों की ज़रूरतों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। जैसे - भाषण या वाद विवाद में इन पर चर्चा करते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड, प्रकृति को दर्शाती कुछ प्राचीन एवं आधुनिक तस्वीरें छात्रो के श्रवण कौशल को बढ़ाती हैं। • 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के वाचन के माध्यम से पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • आधुनिक युग में प्रकृति की दशा पर अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे। • विकार कार्यो को पर्यावरण की दृष्टि पर ज़ोर देकर अपने भावों को व्यक्त करेंगे जिससे उनके वाचन कौशल का विकास होगा।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• पाठ के अंत में 'पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ ' विषय पर सामूहिक गतिविधि में विज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। • किसी विषय की वर्णनात्मक तथा भावात्मक शैली में अभिव्यक्ति कर सकना। • शब्दों का प्रभावशाली प्रयोग करना। • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे ।	

		• भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• पशु-पक्षियों की भाषा को समझते हुए उनके भावों को शब्दों में अभिव्यक्त करना। • प्रकृति संरक्षण विषय पर कक्षा में लिखित लेख द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को जानना। • काव्यात्मक पंक्तियों का सृजन करने में सक्षम होंगे। • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे ।	

		• अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना जैसे - डेरा डालना , हथियाना • विराम चिन्हो का उचित प्रयोग। • उर्दू के शब्दो की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। लश्कर ,नूह, मुहब्बत ,ज़िक्र	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	• किसी घटना का वर्णन करेंगे जब उन्होने किसी पशु-पक्षी के प्रति अपने संवेदना को व्यक्त किया हो।	

		• निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना: • पठित गदयांश आधारित प्रश्न - लेखक की दृष्टि में धरती पर किसका अधिकार है? • बढ़ती आबादी ने समुद्र को कैसे सरकाया? • दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी?	
	नैतिक मूल्य	• मनुष्य द्वारा जीव मात्र के प्रति दया व करुणा की भावना बनाए रखने पर ज़ोर देना।	

पाठ - 16	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-16-पतझर में टूटी पत्तियाँ	व्यवहारवाद की उपयोगिता व व्यवहारवाद की तुलनात्मक जानकारी	• विद्यार्थियों द्वारा व्यवहारवाद की उपयोगिता समझते हुए आदर्शवाद व व्यवहारवाद की तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना। तनाव के बढ़ते प्रभाव के कारणों को जानकर मानसिक शांति पाने के प्रयासों को समझना ।	अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में सृजनात्मक लेखन करते हैं । जैसे - क्या-क्यारी साइक्लिंग कर सकते हैं और पेड़ों को कैसे बचाएँ ।
	श्रवण कौशल का विकास	• अपने देश के साथ-साथ दूसरे देश के संस्कृति से भी परिचित होंगे। • पाठ विस्तार में सहायक-पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड, जापान द्वारा बनी कुछ वस्तुएँ दिखाई जाएंगी	

		जिससे जापानी वस्तुओं के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। ● दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखने के लिए गांधीजी के असहयोग आंदोलन के चित्र दिखाए जायंगे। ● आदर्शवादिता और व्यावहारिकता समझाने के लिए गिरगिट की कहानी से पाठ का तुलनात्मक वर्णन प्रस्तुत किया जाएगा। ● 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। ● सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । ● आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। ● पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी तनाव मुक्त जीवन पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे। ● पाठ के उद्देश्यों पर सामूहिक चर्चा के माध्यम से उनके भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी ।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी उचित आरोह–अवरोह, उच्चारण के साथ पाठन करेंगे। • गांधीजी के सिद्धांतों पर चर्चा से छात्र उनके विषय में जानेंगे। • गांधीजी के जीवन पर आधारित पुस्तक 'सत्य के प्रयोग' को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से	

		अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । ● भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । ● संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। ● एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे ● उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	● व्यवहार विषय पर कक्षा में लिखवाकर छात्रों के लेखन कौशल को जानना। ● पाठ में से टी-सेरेमनी पर लेख लिखेंगे। ● लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । ● अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे ।	

		● उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। ● लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। ● अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	● आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। ● अंग्रेजी तथा संस्कृत के शब्दों का ज्ञान। कैरेट सोना,टी -सेरेमनी , मिथ्या	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	● सामासिक शब्दों पर परिचर्चा। जैसे लाभ-हानि, पाप-पुण्य ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। ● चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?	
	नैतिक मूल्य	● निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा की भावना संबन्धित नैतिक मूल्य का विकास होगा। ● आदर्शों को व्यावहारिकता में में अपनाने में सक्षम होंगे।	

पाठ - 17	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-17-कारतूस	सच्ची वीरता और देश भक्ति की भावना ।	• Anotherहबीब तनवीर की एकांकी के माध्यम से भारतीय बहादुर बजीर अली के साहसी भाव से परिचित होते हुए विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना। पाठ के अंत में देश-भक्ति पर आधारित एकांकी का मंचन करने में सक्षम होंगे।	हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक संदर्भों/भाषिक प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• नाटक और एकांकी के अंतर को पाठ के माध्यम से समझने में सक्षम होंगे। जैसे एकांकी-एक अंक में समाप्त होने वाला जबकि नाटक में कई दृश्य हो सकते हैं। विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका कहानी पढाते हुए समझाएँगी । • देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझने में सक्षम होंगे। • पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड, अंग्रेजों की कुछ अलग-अलग तस्वीरें। दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना।	

		• 10 से 12 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 10 से 12 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ के अंत में छात्रो से प्रश्न पूछे जाएँगे जैसे- वज़ीर अली कौन था? • शाहे जमा कौन था? • सआदत अली कौन था? • अपने विचारों की अभिव्यक्ति सृजनशीलता से कर सकेंगे। • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे।	

		• विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 8 से 10 मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ को छात्र आपस में संवाद के रूप में पढ़ेंगे जिससे उनके पठन कौशल का विकास होगा। • लगभग 200-250 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों	

		के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । ● संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। ● एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे ● उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 200 -250 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	● सच्ची वीरता विषय पर कक्षा में अनुच्छेद लिखवाकर उनके लेखन कौशल को जानना। ● लेखन में सृजनात्मकता व मौलिकता का विकास करना । ● स्वतंत्रता आंदोलन के समय होने वाली सामाजिक समस्याओं पर लेख लिख सकेंगे। ● लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे ।	

		• अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 4- से 5- अनुच्छेद वाला निबंध (150-200 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में आठ –दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। कब्ज़ा, कारवाँ, कारतूस • शब्दकोश को देखने की योग्यता का विस्तार करना। • पाठ में आए उर्दू के शब्दों को समझ सकेंगे।तन्हाई, पाक, मुकर्रर, नफ़रत	
	विभेदित मूल्यांकन (Differntiated Assessment)	• प्रस्तुत एकांकी का कक्षा में ही मंचन करवाकर • अंग्रेजों के समय मे भारत की क्या स्थिति थी?	

		• विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	अध्यापक छात्रों को वज़ीर अली की तरह जाँबाज बनने के नैतिक मूल्य के साथ अपने व्यक्तित्व को ज़िंदादिल बनाने के लिए प्रेरित करेंगे ।	
नोट- कक्षा 10 में नवीन पठ्यक्रम के अनुसार कुछ पाठ हटा दिये गए हैं '			